बी॰ए॰ भाग-3
हिन्दी-प्रतिष्ठा
पेपर-7
'पूर्वी हिन्दी'

रमेश कुमार यादव
हिन्दी-विभाग
डी॰ के॰ कालेज
डुमरॉव

पूर्वी हिन्दी की अवधारणा

पूर्वी हिन्दी में तीन बोलियाँ है- अवधी, बघेली, और छत्तीसगढ़ी।

अवधी -

लखनऊ, फैजाबाद, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली, खीरी, गोंडा, बहराइच, सुल्तानपुर, बाराबंकी और प्रतापगढ़ में बोली जाती है। कानपुर, इलाहाबाद फ़तेहपुर, मिर्ज़ापुर तथा जौनपुर के कुछ हिस्से भी अवधी की सीमा में पड़ते हैं। 'रामचरितमानस' तथा प्रेम-काव्यों की भाषा के रूप में अवधी स्थायी साहित्यिक महत्व की वस्तु बन गयी है।

बघेली -

बघेली का क्षेत्र अवधी के दक्षिण में पड़ता है। इसका केन्द्र रीवाँ है, किन्तु प्रसार जबलपुर, दमोह, मांडला तथा बालाघाट ज़िलों तक पाया जाता है। कुछ लोग बघेली को अवधी का रूप-भेद मानते हैं।

छत्तीसगढ़ी -

छत्तीसगढ़ी मध्यप्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, नन्दगाँव, रायगढ़, खैरगढ़, सरगुजा कोरबा आदि स्थानों में बोली जाती है।

भोजपुरी -

भोजपुरी नाम का आधार है शाहाबाद ज़िले का भोजपुर नामक एक गाँव। भोजपुरी का क्षेत्र बहुत बड़ा है। यह उत्तर प्रदेश के बनारस, मिर्ज़ापुर, गाजीपुर, जौनपुर, बलिया, गोरखपुर, देवरिया, बस्ती और आज़मगढ़ तथा बिहार के शाहाबाद, पलामू, राँची, सारन, चम्पारण ज़िलों में बोली जाती है।

मैथिली -

मैथिली का क्षेत्र गंगा के उत्तर में दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया ज़िले तथा मुजफ्फरपुर ज़िले का पूर्वी भाग है। मैथिली का ही रूप-भेद मुंगेर और भागलपुर में चलता है, जिसे अंगिका नाम की एक नयी संज्ञा दी गयी है।

मगही -

मगही गंगा के दक्षिण में पटना और गया ज़िलों तथा हजारीबाग के कुछ भागों में बोली जाती है।

बँगला -

बँगला बंगाल की भाषा है। बँगला के दो स्पष्ट रूप हैं- पूर्वी और पश्चिमी। पूर्वी का केन्द्र ढाका है और पश्चिमी का कलकत्ता। बँगला के मौखिक और लिखित रूपों

में ही नहीं, नागर और ग्रामीण रूपों में भी अन्तर पाया जाता है। बँगला प्राचीन देवनागरी से ही विकसित एक लिपि में लिखी जाती है।

जसमी-

असमी या असमिया असम की भाषा है जिसकी बँगला से बहुत अधिक समानता है। असमी की लिपि कुछ परिवर्तित बँगला लिपि ही है।

उड़िया-

उड़िया का क्षेत्र उड़ीसा है। उड़िसा का भी बँगला से अत्यधिक साम्य है जिसके कारण बहुत दिनों तक लोग उसे बँगला की ही बोली समझते थे। वस्तुतः उड़िया बँगला से पृथक् स्वतन्त्र भाषा है। उड़िया की लिपि प्राचीन देवनागरी से ही विकसित हुई है।

रमेश कुमार यादव
असिस्टेंट- प्रोफेसर
हिन्दी - विभाग
बी. के. कालेज
डुमराँव - बक्सर
(बिहार)